Roll No. ..... Total Printed Pages - 5

F-3303

B.A. (Part-III) EXAMINATION, 2022

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper First

जनपदीय भाषा-साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:75*

नोट - सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न क्र. 1

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए -

1. ''भजन करौ भाई रे, अइसन जनम पायके। **21 अंक**
नहिं रहे लंकापति रावन, नहिं रहे दुर्योधन राई रे।
मात-पिता सुत ठाढ़े भाई बंद, आयो जमराज पकर लै जाही रे।
लाल खंभ पर देत ताड़ना, बिन सतगुरु को होत साई रे।''

2. ''दसहरा परब क्षत्री मन के माने जाथे, पर आज पूरा देस
के जम्मो मनखे येला राष्ट्रीय परब मान के मनाथय।
कोनों नवदुर्गा के कारन, कोनो वीर पूजा के कारन,
कोनों राम के उपासना के कारन, व्यापारी अपन बेपार
के कारन, अउ कतको झन रमायन के पाठ करके
जन-जागरन कराथय।'
3. ''अड़हन बइद परानघातिका''।
''चलनी मं दूध दुहै, करम ल दोस देय।''
''जबले गुर रथे तब ले चाँटा झुमथे।''
4. ''हिजगा पारी के बजार माँ, परमारथ के मोल कहाँ।
हाँस के गुरतुर भाखा बोलय, उही परमपद पा लेथे।''
5. ''दू हाथ बढ़ाए आघू, हो जाथे जम्मो काज रे।
बूता सुरु हो जाथे, जब ले लेथस अनताज रे।।
जांगर पेरे तौ भुइयाँ म अनपूरना के राज रे।
माटी सोन्ना होही, पछीना चुचवाही आज रे।।''

प्रश्न क्र. 2

संतकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों के आधार पर धर्मदास के पदों की विवेचना कीजिए। **12 अंक**

अथवा

छत्तीसगढ़ी निबंध के विकास में लखनलाल गुप्त के योगदान पर

प्रकाश डालिए।

प्रश्न क्र. 3

विनय पाठक की संकलित कविताओं - 'तैं उठथस सुरुज उथे' तथा 'एक किसिम के नियाव' का भावार्थ लिखिए। **12 अंक**

अथवा

छत्तीसगढ़ी काव्य-साहित्य की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न क्र. 4

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-

15 अंक

1. छत्तीसगढ़ी भाषा के विशेषण।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा के विविध स्वरूप एवं उनके क्षेत्र।
3. पं. सुंदरलाल शर्मा का काव्य-वैशिष्ट्य।
4. रामचंद्र देशमुख और छत्तीसगढ़ी लोकमंच।
5. कपिलनाथ कश्यप का साहित्यिक परिचय।
6. सत्यभामा आड़िल के गद्य की भाषा।
7. छत्तीसगढ़ी कविता का वर्तमान परिदृश्य।

प्रश्न क्र. 5

निम्नलिखित कथन सही गलत है, बतलाइये **15 अंक**

(कोई पन्द्रह)

1. संत धर्मदास के गुरु रामानंद थे।
2. 'सोनपान' निबंध के लेखक हैं - श्री लखनलाल गुप्त।
3. पंडवानी की कथा कृष्ण जीवन से संबंधित होती है।
4. 'लोरिक चंदा' तथा 'ढोला-मारु' प्रेम गाथा है।
5. 'दानलीला' के लेखक हैं - पं. सुंदरलाल शर्मा
6. कबीर के सिद्धान्तों पर चलने वाले कवि हैं- जगन्नाथ प्रसाद भानु।
7. कुंज बिहारी चौबे, कोदूराम दलित की रचनाएँ राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत हैं।
8. नरेन्द्र देव वर्मा को छत्तीसगढ़ का गाँधी कहा जाता है।
9. छत्तीसगढ़ी भाषा में 'ष', 'श' ध्वनियों का प्रयोग नहीं होता।
10. मुकुंद कौशल छत्तीसगढ़ी ग़ज़ल लेखक के रूप में जाने जाते हैं।
11. छत्तीसगढ़ी भाषा में 'गंज अकन लइका' का अर्थ है - गंजा लड़का।

12. इ, इया, इन, निन आदि छत्तीसगढ़ी के स्त्रीलिंग प्रत्यय हैं।

13. विनय कुमार पाठक का जन्म स्थान बिलासपुर है।

14. छत्तीसगढ़ी हाना से संबंधित संकलित पाठ का नाम है - 'सोनपान'।

15. कपिलनाथ कश्यप ने तीन महाकाव्य लिखे हैं - (1) श्रीरामकथा (2) श्रीकृष्णकथा (3) महाभारत कथा

16. 'चंदैनी गोंदा के सर्जक हैं - रामचंद्र देशमुख।

17. 'सउत कथा' की लेखिका हैं - सत्यभामा आडिल।